Criteria-3 (3.3.1) Annexure 01

श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयेन पाण्डुलिपिसंरक्षणस्य कार्यमपि प्रारब्धम् अस्ति। विश्वविद्यालयस्य ग्रन्थालये ३३ मातृकाः सन्ति । तासां विवरणम् अधः प्रस्तूयते ।

१. यन्त्रचिन्तामणिः, पृष्ठानि-115, वर्षम्-शक सं.-1734

२. कुण्डप्रदीपः, पृष्ठाः-25x2, वर्षम्- वि.सं.1923

३. मदनमोहनज्योतिः,पृष्ठानि-39x2

४. कालाग्निः, पृष्ठानि-7x2, वर्षम्-वि.सं.1925

५. कालीमन्त्रः, पृष्ठानि-प्रायः20

६. बृहज्ज्ञातकेन्द्र, पृष्ठानि-60x2, वर्षम्-वि.सं.1845

७. लीलावतीपाटी, पृष्ठानि-96x2, वर्षम्-वि.सं.1923

८. अथवृष्टिगर्भः, पृष्ठानि-5x2

९. त्रिपुरसुन्दरीपूजनम्, पृष्ठानि-55x2, वर्षम्-वि.सं.1854

१०. भगवद्गीता, पृष्ठानि-97x2, वर्षम्-वि.सं.1855

११. अर्जुनगीता, पृष्ठानि-5x2

१२. ब्रह्मविदोपनिषत्, पृष्ठानि-15x1

१३. पितृसंहिता, पृष्ठानि-6x2, वर्षम्-वि.सं.1854

१४. विष्णुसहस्रनाम, पृष्ठानि-16x2

१५. गायत्रीपूजनम्, पृष्ठानि-34x2, वर्षम्-वि.सं.1929

१६. गायत्रीकल्पः, पृष्ठानि-5x2, वर्षम्-वि.सं.1925

१७. गायत्रीसहस्रनाम, पृष्ठानि-14x2, वर्षम्-वि.सं.1925

१८. त्रिकालसन्ध्या, पृष्ठानि-9x2

१९. गायत्रीपटलम्, पृष्ठानि-3x2

२०. अयोध्याकाण्ड, तुलसीकृत, पृष्ठानि-150x2, वि.सं.1893, श.सं.1757

२१. वाजसनेयी संहिता पूर्वार्धः, पृष्ठानि-346x2, वि.सं.1904

२२. वाजसनेयी संहिता उत्तरार्धः, पृष्ठानि-146x2, वि.सं.1904

२३. निर्णयसिद्धान्तः, पृष्ठानि-25x2, वि.सं.1924

२४. मनुस्मृतिः, पृष्ठानि-76x2

२५. वाजसनेयी संहिता अनुक्रमणिका, पृष्ठानि-36x2, वि.सं.1929

२६. वाजसनेयी संहिता पूर्वार्धः, पृष्ठानि-244x2, वि.सं.1929 अस्याः 1 तः 25 पृष्ठानि लुप्तानि सन्ति ।

२७. शरभमन्त्रः, पृष्ठानि-27x2, वि.सं.1835

२८. शरभेश्वरहृदयम्, पृष्ठानि-4x2, वि.सं.1899

२९. शरभाष्टकम्, पृष्ठानि-5x2, वि.सं.1944

३०. शरभपटलम्, पृष्ठानि-15x2, वि.सं.1944

३१. शरभकवचम्, पृष्ठानि-13x2, वि.सं.1944

३२. शरभसहस्रनाम, पृष्ठानि-17x2, वि.सं.1944

३३. शरभमालामन्त्रः, पृष्ठानि-15x2, वि.सं.1944